

राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 27 जुलाई, 1985

क्रमांक 830-ज(2)-85/22567.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री राम पत्त, पुत्र श्री सही राम, गांव बालरोड़, तहसील दादरी, जिला भिवानी, को खरी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 865-ज-(2)-85/22571.—श्री रामस्वरूप, पुत्र श्री खेम चन्द, गांव बाघौत, तहसील महेन्द्रगढ़, जिला नारनौल, की दिनांक 3 अक्टूबर, 1984 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री रामस्वरूप की मुजिलग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 1753-ज-1-76/30374, दिनांक 29 सितम्बर, 1976 तथा 1789-ज(1)-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती सुरसती देवी के नाम खरीफ 1985 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 856-ज-(2)-85/22638.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री रूप राम, पुत्र श्री चुनी लाल, गांव दातौली, तहसील दादरी, जिला भिवानी, को खरीफ, 1974 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा खरी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

दिनांक 30 जुलाई, 1985

क्रमांक 872-ज(2)-85/22927.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री पृथी राम, पुत्र श्री बिहारी राम, गांव मोडी, तहसील दादरी, जिला भिवानी, को खरीफ, 1935 से खरी, 1970 तक 100 रुपये वार्षिक, खरीफ, 1970 से खरीफ, 1970 तक 150 रुपये वार्षिक तथा खरी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 864-ज-(2)-85/22931.—श्री मातादीन, पुत्र श्री सम्मत, गांव कनीना, तहसील नारनौल, जिला महेन्द्रगढ़, की दिनांक 8 अक्टूबर, 1983 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री मातादीन की मुजिलग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 40-ज-1-72/15692, दिनांक 1 मई, 1972 तथा 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती तन्वीया के नाम खरीफ, 1984 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

दिनांक 1 अगस्त, 1985

क्रमांक 889-ज(1)-85/23151.—श्री मोहर सिंह, पुत्र तरलोक सिंह, गांव कुलड़पुर, तहसील नारायणगढ़, जिला अम्बला, की दिनांक 16 सितम्बर, 1983 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल पूर्वी पंजाब युद्ध जागीर पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2 (ए)(1) तथा 3 (1)(ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री मोहर सिंह की मुजिलग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 318-ज(1)80/11918, दिनांक 7 अप्रैल 1980 द्वारा मंजूर की गई थी अब उसकी विधवा श्रीमती कर्तार कौर के नाम खरी, 1984 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत सहर्ष प्रदान करते हैं।

श्री० पी० सांगड़ा,

अवर सचिव, हरियाणा सरकार,
राजस्व विभाग।